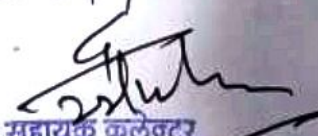


तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अर्पण जो इस हुक्म की नकल जारी हुई
	<p>खातेदार कृषक हैं एवं उन्का लठे हिस्से की कृषि भूमि को जगमाल व जोषा के उत्तराधिकारियों में पंजिकत विक्रय लेख दिनांक 29.11.2017 व दिनांक 14.12.2017 के अख्तियार अर्पण की विषय मिला है। आर्षी संवत् 2014 व 2033 की खतोनी में विवादित भूमि के रेकोर्ड खातेदार कृषक हैं एवं उनमें दर्शाए खातेदार एक अउलाट आर्षी लठे हिस्से का खातेदार कवजेदार कृषक है। वही का नाम संवत् 2033 से 2036 की जगमाली में दया दिए जाने के कारण जगमाल क स्वर्गीय जोषा के उत्तराधिकारियों व आर्षी के एक को नकारते हुए आर्षी का लठे खातेदारी एक हिस्सा भी विक्रय कर दिष्ट जिल्लसो उन्त दोनो विक्रय लेख आर्षी के लठे हिस्से के खातेदारी एक के हद तक आर्षी के विक्रय पुत्रावधीन व शून्य है एवं आर्षी के उन्त हिस्से की भूमि में अख्तियार को अवेश करने, खेती करने व आर्षी के कवजे कारत में दखल करने का कबि अधिकार नहीं है अतः ता निर्णय बाद अख्तियार को अख्तियारी निषेधाभा के लिये ख.सं. 201 व 203 कोने गामा लोट की भूमि में आर्षी के लठे हिस्से की हद तक आर्षी के कवजे कारत में दखल नहीं करने एवं विक्रय नहीं करने के लिए अख्तियार को पाबन्द करना करतारों अख्तियार अधिकारता में बहस में लतापा वि कना पुत्र कानाजी का उन्त आराजी में कोई एक अधिकार के खातेदार नहीं हैं। उन्का भाराजी वेला पुत्र गजाजी</p>	

1/2 त. लोधा, जगभात पिसरान कावली
का 1/2 आधा हिस्सा खोलेदारी हक
भधिकार का है। वाद गुरुत आराजी में
प्राणी का जोड़ हक भधिकार नहीं है
तथा न ही प्राणी ने कबी की वाद गुरुत
आराजी पर खोली की है गलत तर्कों
के आधार पर शर्मा पर उल्लूक
किया है जो खारिज किए जाने योग्य
है। पत्रावली का आद्योपांत अल्पपत्र
अवलोकन किया गया। पत्रकारान
आखिरी तर्कों की वहा पर मन मिला।
पृथक् दृष्टया मामला शर्मा के पत्र
में है तथा शर्मा को अपूर्णपत्र स्वीकार
होने की संभावना से इंकार नहीं किया
जा सकता। अतः वाद गुरुत आराजी में
ता कैसला मूल वाद तथा स्थिति कायम
रखें एवं शर्मा की कृषि भूमि कृषि
कारण में खोलेदारी का हक है। इस
अमर आराज्य की स्वाधी निषेधाज्ञा
जारी की जाती है।

पत्रावली केवल शुद्ध
होकर दर्ज नम्यर से कम की फार
वाखिल वफत है।


सहायक कलेक्टर
(S. D. O.) रेंवल